

बिहार सरकार
ग्रामीण विकास विभाग

पत्रांक 177140
सं०सं०- ग्रा०वि०-7 (6) 02/2008 खंड-1

पटना, दिनांक 12/2/2014

प्रेषक,

अरविन्द कुमार चौधरी (भा०प्र०से०),
आयुक्त, स्वरोजगार ।

सेवा में,

सभी उप विकास आयुक्त,
बिहार ।

विषय:- स्वर्णजयंती ग्राम स्वरोजगार योजनान्तर्गत दिनांक- 31.12.2011 तक कराये गये कार्यों की राशि का भुगतान हेतु दिशा-निर्देश देने के संबंध में ।

प्रसंग:- विभागीय पत्रांक- 159272 दिनांक- 12.08.2013

महाशय,

निदेशानुसार उपर्युक्त विषयक प्रासंगिक पत्र के संदर्भ में कहना है कि उक्त प्रासंगिक पत्र द्वारा आपको स्वर्णजयंती ग्राम स्वरोजगार योजनान्तर्गत 31.12.2011 तक कराये गये कार्यों का नियमानुसार राशि भुगतान कर देने का निदेश दिया गया था । उक्त पत्र में इस मद में दिनांक- 31.10.2013 तक सभी प्रकार के लंबित भुगतान नियमानुसार कर लेना था । तदोपरान्त शेष राशि को SRLM के खाते में जमा कर देना था । इसके साथ ही बैंको से Reconciliation भी करा लेना था । अब तक मात्र 9 जिलों ने ही यह कार्य सम्पन्न किया है । कुछ जिलों (शेखपुरा, शिवहर, भागलपुर, पटना, पूर्णियाँ, मधुबनी, आदि) ने लंबित बकायों के भुगतान के लिए अवधि विस्तार का अनुरोध किया है । चूँकि यह कार्य सम्पन्न कर लेना अति आवश्यक है ।

अतः दिनांक- 23.01.2014 की सभी उप विकास आयुक्तों की समीक्षा बैठक में हुए विमर्श के आलोक में इस अवधि में विस्तार करते हुए भुगतान हेतु अंतिम तिथि दिनांक- 20.02.2014 किया जाता है । पुनः आपसे अनुरोध है कि जिन जिलों ने अभी तक सभी भुगतान नहीं किया है, इस निर्धारित अवधि में SGSY के सभी लंबित बकायों का भुगतान कर लें एवं बैंक से इसके खातों का Reconciliation करा कर प्रतिवेदन भेजें । यह ध्यान रहें कि भुगतान हेतु कोई आवेदन लंबित न रहें । आवेदन नियमानुसार या तो निष्पादन कर दिया जाय अथवा कारण सहित अस्वीकृत कर दिया जाय ।

(इसे सर्वोच्च प्राथमिकता दिया जाय) ।

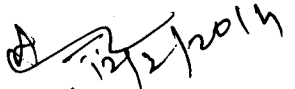
विश्वासभाजन


(अरविन्द कुमार चौधरी)
आयुक्त, स्वरोजगार ।

जापांक 177140

पटना, दिनांक 12/2/2014

प्रतिलिपि:- सभी जिला पदाधिकारी, बिहार, को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित ।

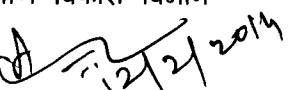


आयुक्त, स्वरोजगार ।

जापांक 177140

पटना, दिनांक 12/2/2014

प्रतिलिपि:- माननीय, मंत्री जी के आप्त सचिव एवं प्रधान सचिव के आप्त सचिव, ग्रामीण विकास विभाग बिहार, को सूचनार्थ प्रेषित ।


आयुक्त, स्वरोजगार ।